A

CCE RF
CCE RR

ಕರ್ನಾಟಕ ಪ್ರೌಢ ಶಿಕ್ಷಣ ಪರೀಕ್ಷಾ ಮಂಡಳಿ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು – 560 003

KARNATAKA SECONDARY EDUCATION EXAMINATION BOARD, MALLESHWARAM, BANGALORE – 560 003

ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಪರೀಕ್ಷೆ, ಮಾರ್ಚ್ / ಏಪ್ರಿಲ್, 2022

S.S.L.C. EXAMINATION, MARCH / APRIL, 2022

ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

MODEL ANSWERS

ದಿನಾಂಕ : 28. 03. 2022] ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H**

Date : 28. 03. 2022] **CODE NO. : 06-H**

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ

Subject : First Language — HINDI

(ಶಾಲಾ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ & ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಶಾಲಾ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / Regular Fresh & Regular Repeater)

[ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು : 100

[Max. Marks : 100

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
I.	**बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर ।**	6 × 1 = 6
1.	'सहयोग' शब्द का विलोम रूप है –	
	(A) सहानुभूति (B) असहयोग	
	(C) सहायता (D) असहाय ।	
	उत्तर : (B) असहयोग	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
2.	'लेखक' शब्द का अन्य लिंग रूप है – (A) कवयित्री (B) लेखनी (C) लेखिका (D) कवि । **उत्तर :** (C) लेखिका	1
3.	निम्नलिखित में से बहुवचन शब्द है – (A) सपना (B) चीज़ (C) मौका (D) कारखान । **उत्तर :** (D) कारखाने	1
4.	'पीना' शब्द का प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप है – (A) पीयूष (B) पिलवाना (C) पिलाना (D) पीपल । **उत्तर :** (C) पिलाना	1
5.	'नूतन' शब्द का पर्यायवाची शब्द है – (A) नवीन (B) नयन (C) नक्षत्र (D) नेत्र । **उत्तर :** (A) नवीन	1
6.	निम्नलिखित में से प्रत्यय युक्त शब्द है – (A) निडर (B) अगोचर (C) गरमाहट (D) चौगुना । **उत्तर :** (C) गरमाहट	1
II.	**अनुरूपता के उत्तर ।**	4 × 1 = 4
7.	इत्यादि : यण् संधि :: पुरुषोत्तम : ..... । **उत्तर :** गुण संधि	1
8.	दोपहर : द्विगु समास :: भाई-बहन : ..... । **उत्तर :** द्वन्द्व समास	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
9.	बच्चे पाठशाला जा रहे हैं : वर्तमान काल :: बच्चे पाठशाला गए : ..... ।	
	उत्तर : भूतकाल	1
10.	जो विदेश में रहता है : विदेशी :: जो कविताएँ लिखता है : ..... ।	
	उत्तर : कवि	1
III.	**एक-एक पूर्ण वाक्य में उत्तर ।**	7 × 1 = 7
11.	सत्-चित्-आनद कौन है ?	
	उत्तर :	
	सत्-चित्-आनद रुपया है ।	1
12.	गाँधीजी का जन्म कहाँ हुआ ?	
	उत्तर :	
	गाँधीजी का जन्म पोरबन्दर में हुआ ।	1
13.	आलूर वेंकटराव जी की अविस्मरणीय सेवा क्या है ?	
	उत्तर :	
	कर्नाटक एकीकरण और कर्नाटक की सर्वांगीण उन्नति के लिए आलूर वेंकटराव की सेवा अविस्मरणीय है ।	1
14.	रूसी युवतियाँ कैसे दिखाई दे रही थीं ?	
	उत्तर :	
	सिर पर सफेद कपड़ा बाँधे और गाउन पहने स्वस्थ रूसी युवतियाँ घर के कामकाज करती दिखाई दे रही थीं ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
15.	मज़हब क्या नहीं सिखाता ?	
	उत्तर :	
	मज़हब आपस में बैर रखना नहीं सिखाता ।	1
16.	नवीन जी किस चौखट को तोड़ना चाहते हैं ?	
	उत्तर :	
	सामाजिकता की चौखट नवीन जी तोड़ना चाहते हैं ।	1
17.	नेपोलियन की बहन का नाम क्या था ?	
	उत्तर :	
	नेपोलियन की बहन का नाम इलाइज़ा था ।	1
IV.	**दो-तीन वाक्यों में उत्तर ।**	10 × 2 = 20
18.	नगेन्द्र भट्टाचार्य जी के मन में बार-बार कौन सी बात आती है ?	
	उत्तर :	
	नगेन्द्र भट्टाचार्य जी के मन में बार-बार यही बात आती है कि इस प्रकार वन-भूमि को नष्ट करके हमने क्या पाया ?	2
19.	पैरों में कील के चुभने पर भी रवीन्द्रनाथ जी चुप क्यों थे ?	
	उत्तर :	
	पैरों में कील के चुभने पर भी रवीन्द्रनाथ जी चुप थे क्योंकि ''सभी लोग उनके भाषण सुनकर आनंद ले रहे थे और वे आनंद परोसने का आनंद ले रहे थे ।'' ऐसे क्षण में उनका ध्यान कील पर नहीं गया, वे चुप थे ।	2
20.	बच्चे की रोने की आवाज़ सिपाही को कैसी लगी ?	
	उत्तर :	
	बच्चे के लगातार रोने की आवाज़ सिपाही को सन्नाटे में बेहद नागवार मालूम हुई । यह बेमतलब का क्रन्दन, बेराग, बेस्वर सन्नाटे को चीरकर आता हुआ कानों में बहुत अप्रिय लगने लगा ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
21.	कन्नड क्लब के बारे में लिखिए ।	
	उत्तर :	
	कन्नड भाषा की अभिवृद्धि के हेतु वेंकटरावजी ने अपने कॉलेज में कन्नड विद्यार्थियों का एक कन्नड क्लब शुरू किया । उसके अधीक्षक खुद वेंकटराव थे । भाषा के प्रति अभिमान उत्पन्न करना इस क्लब का उद्देश्य था । क्लब के सदस्यों के प्रयत्नों से कॉलेज के पुस्तकालय में कन्नड की पुस्तकें लायी गयीं ।	2
22.	कवि क अनुसार सामाजिक कुरीतियों को कैसे मिटा सकते हैं ?	
	उत्तर :	
	तन-मन-प्राण सबको सदियों के आडंबर से मुक्त करके, विजय वरण हित, नूतन शर संधान करके, जाति-पाँति, ऊँच-नीच, आर्थिक व सामाजिक विषमता को दूर करके, हम सामाजिक कुरीतियों को मिटा सकते हैं ।	2
23.	हमारा देश स्वर्ग के लिए ईर्ष्या-स्थान कैसे बना है ?	
	उत्तर :	
	कवि भारत देश का बखान करते हुए कहते हैं कि यह देश बड़ा ही अनोखा है । यहाँ के पहाड़, नदियाँ, हरियाली, आचार-विचार, संस्कृति आदि बहुत ही अनमोल हैं । चारों ओर फैली हुई गुलशन, यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य आदि से स्वर्ग भी ईर्ष्याग्रस्त है ।	2
24.	जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग कौन-सा है ?	
	उत्तर :	
	जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए आलस्य और भाग्यवादिता का दामन छुड़ाकर कठिन परिश्रम करना ही एकमात्र मार्ग होता है ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
25.	ज्योतिषी और नेपोलियन के बीच के संवाद के बारे में लिखिए ।	
	उत्तर :	
	एक बार नेपोलियन ने एक ज्योतिषी को अपना हाथ दिखाया । ज्योतिषी ने कहा, तुम्हारे हाथ में भाग्य की रेखा ही नहीं है, तो नेपोलियन ने चाकू से रेखा खोंची और दृढ़ता से कहा, ''मैं अपने भाग्य का निर्माता स्वयं हूँ'' ।	2
26.	परिश्रमी व्यक्ति जीवन के रेतीले मैदानों को कैसे पार करता है ?	
	उत्तर :	
	परिश्रमी व्यक्ति अपने अदम्य साहस, कौशल और सच्ची लगन के सहारे जीवन के रेतीले मैदानों को पार करता है ।	2
27.	नेपोलियन की सत्यवादिता का परिचय दीजिए ।	
	उत्तर :	
	नेपोलियन और बहन इलाइज़ा का अचानक खेलते वक्त एक अमरूद बेचनेवाली लड़की से टकराना और बिना पलायन किए लड़की को अपने माँ के सम्मुख ले जाना, उसे अपने जेब खर्च काटकर मुआवज़ा दिलाना, नेपोलियन की सत्यवादिता को दर्शाता है ।	2
V.	**लेखक / कवि का परिचय ।**	2 × 3 = 6
28.	हरिशंकर परसाई ।	
	उत्तर :	
	i) जन्म-काल : श्रेष्ठ व्यंग्य कहानीकार श्री हरिशंकर परसाई का जन्म 1924 में हुआ ।	
	ii) कृतियाँ : 'भोलाराम का जीव', 'चावल से हीरों तक', 'कचरे में', 'एक बेकार घाव', 'सड़क बन रही है', 'पोस्टरी एकता', 'भाइयों और बहिनों', 'निठल्ले की डायरी', 'एक फरिश्ते की कथा' (इनमें से कोई 2 अंश की गणना करें) ।	3
	iii) अन्य जानकारियाँ : एम.ए. के बाद अध्यापन कार्य किया । साहित्य सृजन में जुट गए । व्यंग्य उनकी लेखन कला का प्राण है ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
29.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : **उत्तर :** i) जन्म-काल : 15 सितम्बर, 1927 को उत्तर प्रदेश के बस्ती शहर के पास 'पिकौरा' गाँव में हुआ । ii) कृतियाँ : 'काठ की घटियाँ', 'खूटियों पर टंगे लोग', 'सोया हुआ जल', 'बकरी', 'अंधेरे पर अंधेरा' (इनमें से कोई 2 अंश की गणना करें) । iii) अन्य जानकारियाँ : इनके पिता का नाम श्री विश्वेश्वरदयाल सिंह सक्सेना और माता का नाम श्रीमती सौभाग्यवती सक्सेना था । इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ है । दिनमान, पराग पत्रिकाओं के संपादक भी थे । मृत्यु सन् 1983 में हुई ।	3
VI.	**छन्द पहचानिए ।**	3
30.	जो गरीब सो हित करै, धनि रहीम वे लोग । **उत्तर :** ऽ । ऽ। ऽ । । । ऽ । । । ऽ। ऽ ऽ। जो गरीब सो हित करै, धनि रहीम वे लोग । (13) (11) i) इसमें दोहा छन्द है । ii) मात्रिक छन्द । iii) पहले-तीसरे चरण में 13 मात्राएँ (iv) दूसरे-चौथे चरण में 11 मात्राएँ (v) दूसरे-चौथे के चरणात तुक मिलती हैं ।	
VII.	**अलंकार पहचानिए ।**	3
31.	मन कांचै नाचै वृथा, सांचै रांचै राम । **उत्तर :** (i) यहाँ अनुप्रास अलंकार है । (ii) शब्दालंकार का उदाहरण है । (iii) 'च' वर्ण चार बार प्रयोग हुआ है । (iv) वर्ण की इस आवृत्ति के कारण यहाँ अनुप्रास है ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VIII.	**संदर्भ के साथ व्याख्या ।**	4 × 3 = 12
32.	''आप लोग असुर की कविता तो सुन ही चुके, अब ससुर की कविता सुनिए ।''	
	उत्तर :	
	पाठ का नाम : आनंद के क्षण	
	लेखक का नाम : कन्हैयालाल मिश्र	
	संदर्भ व व्याख्या : कवि सम्मेलन में कविता वाचन के समय आचार्य शुक्ल जी उनके मित्र की कविता वाचन पर इस वाक्य का जिक्र करते हैं । शुक्लजी के वाचन को संबोधित करते हुए मित्र कहते हैं, ''अब असुर की कविता सुनिए'', जब मित्र की बारी आयी तो शुक्ल जी बोले, ''अब ससुर की कविता सुनिए ।'' ससुर के कई अर्थ हैं जैसे सुररहित, पत्नी के पिता और एक गाली के रूप में भी प्रयोग होता है । ऐसे बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से आनंद के क्षण उत्पन्न हुआ ।	
	विशेषता : स्वस्थ पूर्ण-व्यग्य प्राणी का साधन है ।	3
33.	''मैंने अपने बच्चे को देखा तक नहीं ।''	
	उत्तर :	
	पाठ का नाम : 'अपना-पराया'	
	लेखक का नाम : 'जैनेन्द्र'	
	संदर्भ व व्याख्या : उपर्युक्त वाक्य को सिपाही ने सरायवाले से कहा । नींद खुलने के बाद सिपाही ने सरायवाले को बातचीत के लिए बुलाया और हालचाल मालम् किया । अपनी फौज़ की बात सुनाई, उसका स्वाद बताया, जहाँ मौत हर वक्त सिर पर मंडराती है । इसी संदर्भ में अपनी घरवाली और बच्चे का जिक्र किया ।	
	विशेषता : जीवन की क्षणभंगुरता को व्याख्यानित किया है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
34.	''तुम्हारी सत्यप्रियता अधिकांश दिल्ली म प्रसिद्ध है ।'' **उत्तर :** पाठ का नाम : 'सच्चा धर्म' लेखक का नाम : सेठ गोविन्द दास संदर्भ व व्याख्या : अहिल्या ने पुरुषोत्तम से उपर्युक्त वाक्य कहा । पुरुषोत्तम संभाजो को शिवाजी का पुत्र न कहकर अपना भाजा कहकर झूठ बोलने की परिस्थिति में पति-पत्नी के बीच बातचीत होती है तो अहिल्या अपने पति के दिल्ली में नाम-दाम-काम के बारे में याद दिलाते उनके मन-बदलाव की चेष्टा में उपर्युक्त वाक्य कहती है । विशेषता : हम सीख सकते हैं कि मनुष्य जब सत्य के मार्ग पर चलता है तो बिना किसी प्रयास से प्रसिद्धि, सफलता आदि पा लेता है ।	3
35.	''सबसे उधार माँगा, सबने दिया । यों मैं जिया और जीता हूँ क्याकि यही सब तो है जीवन – **उत्तर :** कविता का नाम : सवेरे उठा तो धूप खिली थी कवि का नाम : सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' संदर्भ व व्याख्या : सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' जी कह रहे हैं कि प्रकृति के हर अंश स मानव उधार के रूप में कुछ न कुछ लेता है । प्रकृति मानव की हर मांग पूरी करती है । उनके बिना मनुष्य जीवन बिता नहीं सकता । विशेषता : जीवन आपस की लेन-देन का प्रेमपूर्ण व्यवहार है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
IX.	**चार-पाँच वाक्यों में उत्तर ।**	3 × 3 = 9
36.	रुपये की महानता का वर्णन कीजिए ।	
	उत्तर :	
	रुपया हमारा गुलाम होना चाहिए, मगर रुपये के गुलाम हम बन गये हैं । रुपया हर एक का सहारा है । दुनिया रुपयों से दबती है । रुपया ईश्वर है, सत्य है, शिव और सुन्दर है । रुपया सप्त स्वरों से ऊपर अष्टम स्वर है, मधुर है । तारन-तरन है, धवल-हरण है, रुपया मंगलचरण है । रुपया राजा, बादशाह है । रुपया श्रेष्ठ वरदान है, सर्वशक्तिशाली है ।	3
37.	गाँधीजी ने चम्पारन समस्या का निवारण कैसे किया ?	
	उत्तर :	
	वर्ष भर देश का दौरा करने के बाद गाँधीजी देश के कुछ दुःखी किसानों की पुकार से उनकी मदद करने बिहार के चम्पारन आए । शिकायत यह थी कि वहाँ के अंग्रेज जमीनदार किसानों पर बड़ा अत्याचार करते हैं । नील की पैदावार को कम दामों में खरीदना, बलपूर्वक किसानों को प्रताड़ित कर जबरन नील की खेती कराना भी किसानों के रोष का एक प्रमुख कारण था । अप्रैल 1917 में आंदोलन हुआ, शिकायतें सरकार के सामने रखी गईं । पहले तो सरकार ने ध्यान नहीं दिया, किन्तु तीव्र सत्याग्रह के बाद अन्त में सरकार को गाँधीजी के सुझाव मानने पड़े ।	3
38.	बिहारी सच्ची भक्ति का समर्थन कैसे करते हैं ?	
	उत्तर :	
	बिहारी जी धार्मिक आडंबरों के स्थान पर सच्चे मन से ईश्वर की भक्ति करने पर जोर देते हैं । उनके अनुसार अगर आपका मन स्थिर नहीं है तो हाथ में माला लेकर, माथे पर तिलक लगाकर भगवान का नाम लेने से कोई फायदा नहीं होगा । मन अगर कच्चा है, अस्थिर है तो भगवान ऐसी आराधना पर प्रसन्न नहीं होंगे । ईश्वर को पाने के लिए धार्मिक आडंबर के बजाए मन को निर्मल बनाना है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
X.	**पद्यांश की पूर्ति ।**	1 × 4 = 4
39.	जग में सुख	
	.....	
	.....	
	..... को गले लगाना ।	
	अथवा	
	पैदा कर जिस	
	.....	
	.....	
	..... स्वजीवन सारा ।	
	उत्तर : जग में सुख की प्राप्ति के लिए एक सहायक दुख है ।	1
	वही जगाता है सद्गुण को सद्गुण लाता सुख है ।	1
	बाधा, विघ्न, विपत्ति, कठिनता जहाँ-जहाँ सुन पाना ।	1
	सबके बीच निडर हो जाना दुख को गले लगाना ।	1
	अथवा	
	पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला-पोसा ।	
	किये हुए है वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा ।	
	उससे होना उऋण प्रथम है, सत्कर्तव्य तुम्हारा ।	
	फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XI. 40.	**पद्यांश का भावार्थ :** अज्ञानियों से स्नेह करना मानो पत्थर से चिनगारी निकालना है । ज्ञानियों का संग करना, मानो दही मथकर माखन पाना है हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, तुम्हारे भक्तों का संग करना मानो कर्पूरगिरि की ज्योति को पाना है । **अथवा** भूख लगी तो गाँव में भिक्षान्न है, प्यास लगी तो तालाब-कुएँ हैं, शीत से बचने जीर्ण वस्त्र हैं, सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मेरा आत्म-सखा तू ही है ।	4
	उत्तर : अक्कमहादेवी अपने वचन में बुराइयों में भी अच्छाई पान का आशय व्यक्त करते हुए कहती हैं – अज्ञानियों से स्नेह करने से स्वयं की वृद्धि होती है क्योंकि उन्हें सुधारते-सुधारते स्वयं बहुत कुछ सीख जाते हैं । यहाँ पत्थर अर्थात् अज्ञानी, चिनगारी अर्थात् उसे सशक्त बनाना । ज्ञानियों का संग करने से हम सुलभ रूप से ज्ञानी बन जाएँगे । जैसे दही के मथने से माखन निकल आता है । अक्कमहादेवी अपने प्रभु की प्रशंसा करते हुए कहती हैं – तुम्हारे भक्तों का संग करना कपूर-पर्वत की ज्योति को पाने के समान है ।	4
	अथवा अक्कमहादेवी इस वचन में स्वयं को धन्य मानती हुई कहती हैं कि प्रभु, आपके सामने कोई भी गरीब नहीं है । इसकी पुष्टि में वे कहती हैं यदि भूख लगी तो गाँव में अन्न देनेवाले हैं । प्यास लगती है तो पानी की कमी नहीं है क्योंकि इधर-उधर तालाब, कुएँ हैं । तुम्हारी कृपा से ठंड से बचने के लिए फटे वस्त्र मिले हैं । सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं । हे प्रभु ! तम्हारा संग ही मेरे जीवन का सौभाग्य है । आपके बिना मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं है । तू ही मेरा प्रिय आत्म-सखा है ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XII.	**आठ-दस वाक्यों में उत्तर ।**	2 × 4 = 8
41.	अकबरी लोटा एक ऐतिहासिक लोटा कैसे बना ? वर्णन कीजिए । **अथवा** जहाँगीरी अण्डे के बारे में अंग्रेज ने क्या वर्णन किया ? बताइए । **उत्तर :** सोलहवीं शताब्दी की बात है । बादशाह हुमायूँ शेरशाह से हारकर भागा था और सिंध के रेगिस्तान में मारा-मारा फिर रहा था । एक अवसर पर प्यास से उसकी जान निकल रही थी । उस समय एक ब्राह्मण ने इसी लोटे से पानी पिलाकर उसकी जान बचाई थी । हुमायूँ के बाद जब अकबर दिल्लीश्वर हुआ तब उसने उस ब्राह्मण का पता लगाकर उससे इस लोटे को ले लिया । इसके बदले में उसे इसी प्रकार के दस सोने के लोटे प्रदान किये । यह लोटा सम्राट् अकबर को बहुत प्यारा था । इसी से इसका नाम अकबरी लोटा पड़ा । वह बराबर इसी से वज़ू करता था । सन् 57 तक इसके शाही घराने में ही रहने का पता है । पर इसके बाद लापता हो गया ।	4
	अथवा महल में दो कबूतर थे । उनमें से एक को नूरजहाँ ने उड़ा दिया था । जहाँगीर के पूछन पर कि उसके एक कबूतर को उसने कैसे उड़ जाने दिया ? नूरजहाँ ने उसके दूसरे कबूतर को भी उड़ाकर बताया कि ''ऐसे'', उसके इस भोलेपन पर जहाँगीर सौ जान से निछावर हो गया । उसी क्षण से उसने अपने को नूरजहाँ के हाथ कर दिया । कबूतर का एहसान वह भूल नहीं सका । उसके एक अण्डे को बड़े जतन से एक बिल्लोर की हाण्डी में रख छोड़ा जो हमेशा सामने टंगा रहता था । बाद में वही अण्डा जहाँगीरी अण्डे के नाम से प्रसिद्ध हुआ । उसी को मेजर डगलस न परसाल दिल्ली के एक मुसलमान सज्जन से तीन सौ रुपये में खरीदा ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
42.	मन्नु जी ने राष्ट्रीय आंदोलन में अपनी भूमिका कैसे निभाई ? स्पष्ट कीजिए । **अथवा** मन्नु भण्डारी के व्यक्तित्व निर्माण में शीला अग्रवाल का क्या योगदान है ? स्पष्ट कीजिए । **उत्तर :** सन् 1946-1947 ई० में समूचे देश में भारत छोड़ो आंदोलन पूरे उफान पर था । हर तरफ हड़तालें, प्रभात-फेरियाँ, जुलूस और नारेबाज़ी हो रही थी । घर में पिता और उनके साथियों के साथ होनेवाली गोष्ठियाँ, गतिविधियों ने लेखिका को भी जागरूक कर दिया था । प्राध्यापिका शीला अग्रवाल ने लेखिका को स्वतत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से जोड़ दिया । जब देश में नियम-कानून और मर्यादाएँ टूटने लगीं तब पिता की नाराज़गी के बाद भी पूरे उत्साह के साथ आंदोलन में कूद पड़ीं । उनका उत्साह, संगठन क्षमता और विरोध करने का तरीका देखते ही बनता था । वे चौराहों पर बेझिझक भाषण, नारेबाजी और हड़तालें करने लगीं । इस प्रकार हम कह सकते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी (मन्नुजी) सक्रिय भूमिका थी । **अथवा** शीला अग्रवाल लेखिका के कॉलेज में हिन्दी अध्यापिका थीं तथा खुले दिमाग वाली प्रबुद्ध महिला थीं । उनके सम्पर्क में आकर मन्नुजी की समझ का दायरा बढ़ा । वे उसे चुन-चनकर अच्छी पुस्तकें पढ़ने के लिए देतीं और उन पर लम्बी बहस भी करतीं । इससे लेखिका की सोच विकसित हुई । यही नहीं अपितु वे देश-दुनिया की राजनीतिक स्थिति से भी उसे अवगत करातीं और अपनी जोशीली बातों से स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी की प्रेरणा भी देतीं । उन्होंने लेखिका को जीवन में सही निर्णय लेकर बाधाओं का सामना करते हुए आगे बढ़ना सिखाया, जिससे दकियानूसी घरेलू बंदिशों को तोड़ने में कामयाब रहीं, लेखिका का व्यक्तित्व निर्माण में निश्चय ही शीला अग्रवाल का महत्वपूर्ण योगदान है ।	4
XIII.	**अपठित गद्यांश के उत्तर ।**	2 × 2 = 4
43.	शिक्षा मनुष्य को मनुष्य बनाती है, शिक्षा के बिना मनुष्य पशु के समान होता है । शिक्षित मनुष्य ही राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदान कर सकता है, शिक्षा का असली उद्देश्य चरित्र का निर्माण है । बच्चे के प्रथम गुरु उसकी माँ होती है जो उसे संस्कारों से सिंचित करती है, आगे विद्यालय में पुस्तकीय ज्ञान के अलावा नृत्य, संगीत, आपसी प्रेम, सहयोग, अनुशासन, खेलकूद आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है । छात्र अपनी रुचि के अनुसार चयन कर सकता है और दक्षता पा सकता है । विद्यालय में उसका सर्वांगोण विकास होता है । a) शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण है । स्पष्ट कीजिए । b) विद्यालय में बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है । कैसे ? बताइए ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर :	
	a) शिक्षा मनुष्य को मनुष्य बनाती है, शिक्षा के बिना मनुष्य पशु के समान होता है । शिक्षित मनुष्य ही राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदान कर सकता है, शिक्षा का असली उद्देश्य चरित्र का निर्माण है ।	2
	b) बच्चे का पहला गुरु उसकी माँ होती है जो उसे संस्कारों से सिंचित करती है, आगे विद्यालय में पुस्तकीय ज्ञान के अलावा नृत्य, संगीत, आपसी प्रेम, सहयोग, अनुशासन, खेलकूद आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है । छात्र अपनी रुचि अनुसार चयन कर सकता है और दक्षता पा सकता है । विद्यालय में उसका सर्वांगीण विकास होता है ।	2
XIV.	**पत्र लेखन ।**	1 × 5 = 5
44.	कोई कारण बताते हुए चार दिनों की छुट्टी के लिए प्रधानाध्यापक के नाम एक पत्र लिखिए ।	
	अथवा	
	परीक्षा की तैयारी के बारे में बताते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए ।	
	उत्तर :	
	व्यावहारिक पत्र :	
	i) स्थान एवं तिथि : $\frac{1}{2}$	
	ii) प्रेषक/सेवा में : $\frac{1}{2}$	
	iii) सम्बोधन – विषय : 1	
	iv) पत्र का कलेवर : $2\frac{1}{2}$	
	v) समाप्ति : $\frac{1}{2}$	
	अथवा	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर		अंक
	पारिवारिक पत्र :		
	i) स्थान एवं तिथि :	$\frac{1}{2}$	
	ii) सम्बोधन-अभिवादन :	1	
	iii) पत्र का कलेवर :	$2\frac{1}{2}$	
	iv) समाप्ति :	$\frac{1}{2}$	
	v) पत्र पानेवाले का पता :	$\frac{1}{2}$	
XV.	**निबंध लेखन ।**		$1 \times 5 = 5$
45.	किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए :		
	i) दूरदर्शन		
	ii) स्वतंत्रता दिवस ।		
	उत्तर :		
	(i) भूमिका	1	
	(ii) विषय विश्लेषण	2	
	(iii) उपसंहार	1	
	(iv) भाषा और शैली ।	1	